वैश्विक अध्ययन केंद्र

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली - 110007

संश्लेषण

(सी जी एस हिंदी मासिक पत्रिका)

मुख्य कथ्य- वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था में भारत : समसामयिक सरोकार एवं संभावनाएँ

विगत कुछ दिनों में भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करने से लेकर क्वाड की बैठक तक जिस प्रकार से वैश्विक सुरक्षा से जुड़े संकट एवं उसके समाधान में अपनी भूमिका को स्थापित करने का प्रयास किया है, उसने वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था में भारत की संभावित भूमिका को लेकर स्वीकारोक्ति के भाव को स्थापित किया है। वैश्विक पटल पर सुरक्षा संबंधी चिंताओं, विशेषकर वर्तमान समय में तालिबान के उभार के कारण अफ़गानिस्तान में उत्पन्न अराजकता एवं अस्थिरता ने, भारत के आर्थिक एवं सुरक्षात्मक हितों को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। इस पृष्ठभूमि में वैश्विक अध्ययन केंद्र (पूर्ववर्ती विकासशील राज्य शोध केंद्र), दिल्ली विश्वविद्यालय प्रस्तुत कथ्य के माध्यम से वैश्विक सुरक्षा के विषय पर भारत के सरोकार एवं उसकी संभावित भूमिका पर केंद्रित मौलिक एवं गंभीर लेखन की अपेक्षा करता है।

लेखकों के लिए आवश्यक निर्देश

लेख मुख्य कथ्य '**वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था में भारत : समसामयिक सरोकार एवं संभावनाएँ**' के किसी भी आयाम पर आधारित होना चाहिए।

1. लेख हिंदी भाषा में ही स्वीकृत होंगे।
2. टिप्पणियों एवं संदर्भों सहित लेख 2000 शब्दों तक सीमित होना चाहिए।
3. समस्त टिप्पणियाँ एवं संदर्भ लेख के अंत में सम्मिलित किए जाने चाहिए।

4. लेख निम्न प्रारूप के अनुसार होना चाहिए:

   क) अक्षर (फॉन्ट) - कृतिदेव 011 एवं यूनिकोड

   ख) अक्षर आकार - 14

   ग) पंक्ति अंतराल - 1.5

   घ) संदर्भ प्रारूप - ए पी ए शैली

5. लेख मौलिक होना चाहिए । प्रत्येक लेख केंद्र के साहित्यिक चौर्य सॉफ्टवेयर (Plagiarism Software) द्वारा जाँच के पश्चात ही समीक्षा के लिए समीक्षकों को अग्रेषित होगा । निर्धारित मानक (10 प्रतिशत) से अधिक साहित्यिक चौर्य की स्थिति में आलेख अस्वीकृत कर दिया जाएगा ।

6. लेखक का नाम, पद तथा संस्थागत संबद्धता प्रथम पृष्ठ पर ही होना चाहिए ।

7. सह-लेखन केवल दो लेखकों तक ही सीमित है । लेखक / सह-लेखक किसी भी रूप में केवल एक ही लेख प्रेषित कर सकते हैं ।

8. लेखक/कों को एक प्रख्यापन / घोषणापत्र (संलग्न) देना होगा, जिसमें उन्हें यह घोषित करना होगा कि उनका यह लेख पूर्ण रूप से मौलिक है तथा अन्यत्र न तो प्रकाशित हुआ है तथा न ही प्रकाशन के लिए अन्यत्र प्रेषित किया गया है ।

9. लेख को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अंतिम निर्णय संपादक मंडल का ही होगा ।

10. प्रकाशित लेख वैश्विक अध्ययन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली की बौद्धिक संपदा होगा ।

लेख प्रेषण:

लेख (घोषणा पत्र सहित) एम एस वर्ड प्रारूप में synthesis.cgs@gmail.com पर प्रेषित किया जा सकता है ।

प्रेषण सीमारेखा:

लेख प्रेषित करने की अंतिम तिथि, बृहस्पतिवार, 14 अक्टूबर 2021 है ।

संपर्क:

पत्रिका अथवा लेख के संबंध में किसी भी पूछताछ के लिए संपादक मंडल – synthesis.cgs@gmail.com / +91-11-27666281 से संपर्क स्थापित किया जा सकता है ।

संपादक मंडल

घोषणा

मैं / हम _____

यह घोषणा करते हैं कि मेरा / हमारा यह लेख जिसका शीर्षक _____

है, पूर्ण रूप से मौलिक है। यह लेख अन्यत्र न तो प्रकाशित हुआ है तथा न ही प्रकाशन के लिए अन्यत्र प्रेषित किया गया है।

[हस्ताक्षर]

[नाम]

[पद / संस्थान]

दूरभाष:

ई-मेल:

तिथि: **स्थान:**